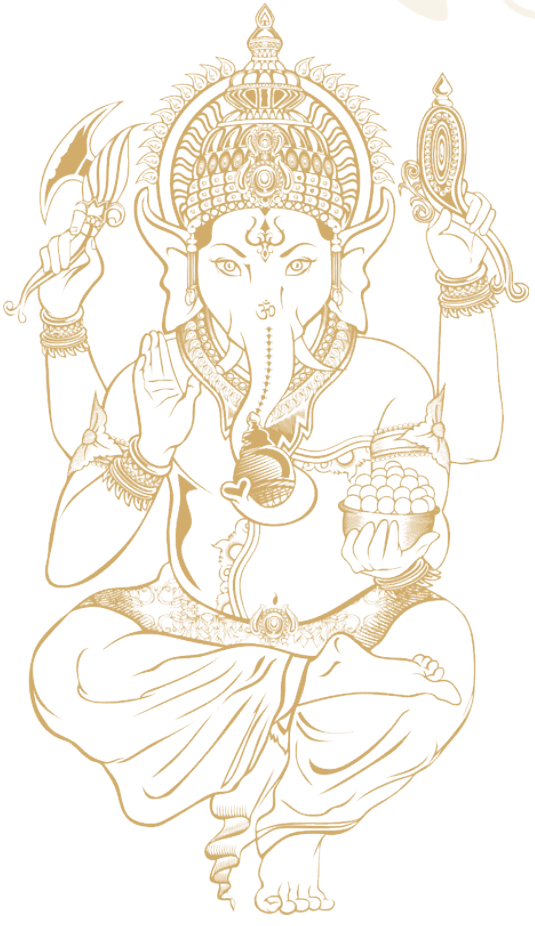

Pragya Dhayal

21 Aug 2001

08:23 PM

Sikar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121591904

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21/08/2001**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**20:23:00 घंटे**
इष्ट	35:51:40 घटी
स्थान	**Sikar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:51:00 उत्तर
रेखांश	75:14:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:29:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:53:56 घंटे
वेलान्तर	-00:03:09 घंटे
साम्पातिक काल	17:53:55 घंटे
सूर्योदय	06:02:19 घंटे
सूर्यास्त	19:01:33 घंटे
दिनमान	12:59:13 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	04:44:11 सिंह
लग्न के अंश	03:58:10 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	साध्य
करण	गर
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पू-पुरुषोत्तम
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	03:58:10	510:12:08	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
सूर्य			सिंह	04:44:11	00:57:49	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	मूलत्रिकोण
चंद्र			कन्या	10:12:25	14:51:30	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	मित्र राशि
मंगल			वृश्चि	27:58:35	00:22:50	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	स्वराशि
बुध			सिंह	19:29:24	01:42:58	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मित्र राशि
गुरु			मिथु	14:15:38	00:10:57	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			मिथु	29:32:42	01:10:50	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
शनि			वृष	19:55:19	00:03:45	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	केतु	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	11:01:24	00:07:30	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	उच्च राशि
केतु	व		धनु	11:01:24	00:07:30	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	उच्च राशि
हर्ष	व		मक	28:44:42	00:02:23	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	---
नेप	व		मक	12:55:20	00:01:29	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	18:39:55	00:00:04	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			धनु	04:43:33	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:32

लग्न-चलित

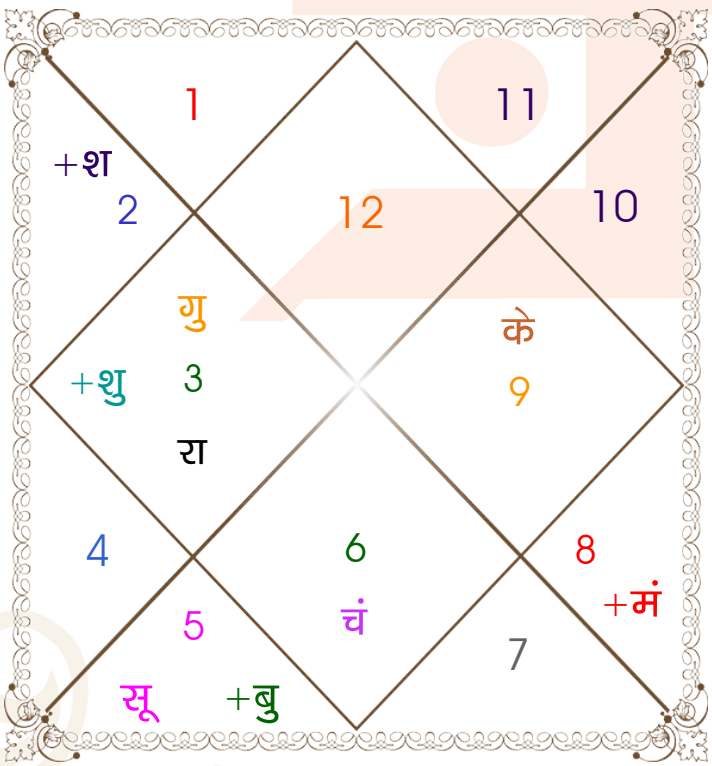

चन्द्र कुंडली

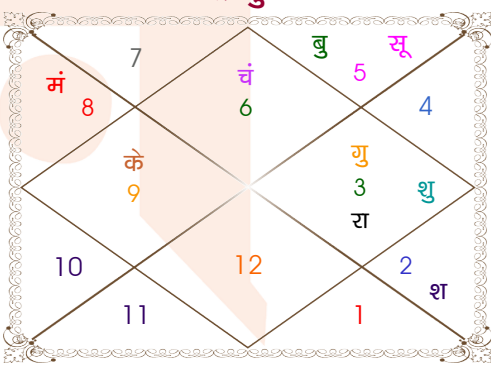

नवमांश कुंडली

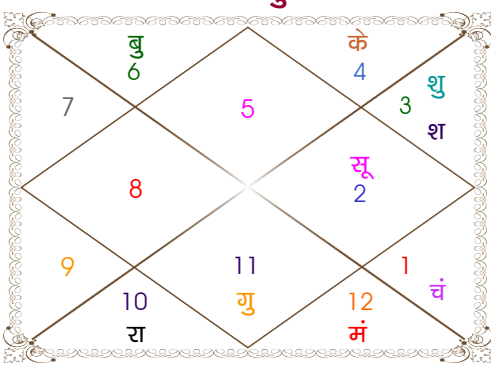

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 9 वर्ष 10 मास 4 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
21/08/2001		26/06/2011		26/06/2018		25/06/2036		25/06/2052	
26/06/2011		26/06/2018		25/06/2036		25/06/2052		26/06/2071	
चंद्र	26/04/2002	मंगल	22/11/2011	राहु	08/03/2021	गुरु	14/08/2038	शनि	29/06/2055
मंगल	25/11/2002	राहु	10/12/2012	गुरु	02/08/2023	शनि	24/02/2041	बुध	08/03/2058
राहु	26/05/2004	गुरु	16/11/2013	शनि	08/06/2026	बुध	02/06/2043	केतु	17/04/2059
गुरु	25/09/2005	शनि	26/12/2014	बुध	25/12/2028	केतु	08/05/2044	शुक्र	17/06/2062
शनि	26/04/2007	बुध	23/12/2015	केतु	13/01/2030	शुक्र	07/01/2047	सूर्य	30/05/2063
बुध	25/09/2008	केतु	20/05/2016	शुक्र	12/01/2033	सूर्य	26/10/2047	चंद्र	28/12/2064
केतु	26/04/2009	शुक्र	20/07/2017	सूर्य	07/12/2033	चंद्र	24/02/2049	मंगल	06/02/2066
शुक्र	26/12/2010	सूर्य	25/11/2017	चंद्र	08/06/2035	मंगल	31/01/2050	राहु	13/12/2068
सूर्य	26/06/2011	चंद्र	26/06/2018	मंगल	25/06/2036	राहु	25/06/2052	गुरु	26/06/2071

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
26/06/2071		25/06/2088		26/06/2095		27/06/2115		27/06/2121	
25/06/2088		26/06/2095		27/06/2115		27/06/2121		00/00/0000	
बुध	22/11/2073	केतु	22/11/2088	शुक्र	26/10/2098	सूर्य	15/10/2115	चंद्र	22/08/2121
केतु	19/11/2074	शुक्र	22/01/2090	सूर्य	26/10/2099	चंद्र	14/04/2116		00/00/0000
शुक्र	19/09/2077	सूर्य	30/05/2090	चंद्र	27/06/2101	मंगल	20/08/2116		00/00/0000
सूर्य	26/07/2078	चंद्र	29/12/2090	मंगल	27/08/2102	राहु	15/07/2117		00/00/0000
चंद्र	26/12/2079	मंगल	27/05/2091	राहु	27/08/2105	गुरु	03/05/2118		00/00/0000
मंगल	22/12/2080	राहु	13/06/2092	गुरु	27/04/2108	शनि	15/04/2119		00/00/0000
राहु	11/07/2083	गुरु	20/05/2093	शनि	27/06/2111	बुध	20/02/2120		00/00/0000
गुरु	16/10/2085	शनि	29/06/2094	बुध	27/04/2114	केतु	26/06/2120		00/00/0000
शनि	25/06/2088	बुध	26/06/2095	केतु	27/06/2115	शुक्र	27/06/2121		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 9 वर्ष 10 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के प्रथम चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मीन लग्न के साथ-साथ सिंह राशि का नवमांश एवं मीन राशीय द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नादिक समन्वित प्रभाव एवं ज्योतिषीय आकृति के अनुसार ऐसा अनुकूल संयोजन बन रहा है कि आप स्वाभाविक रूप में ऐसी आशा कर सकते हैं कि आपका जीवन धन और प्रसन्नता से युक्त आभिमंत्रित और धन्य है। इसका प्रभाव आपके जीवन, संतान और उसकी संतान तक अक्षुण रहेगा।

आप आकर्षक शारीरिक गठन से युक्त होंगे तथा प्रसन्नतम रूप के सहारें आप अधिकाधिक व्यक्तियों को आकर्षित करेंगे। आप सदैव चाहते हैं कि अच्छी प्रकार विपरीत योनि के सदस्यों पर अपनी प्रभाव जमा लें, अर्थात् नारियों को प्रभावित कर लें। आप जीवन में प्रेम को एक महत्वपूर्ण वस्तु समझते हैं। आप सदैव अपना झुकाव आनन्द प्राप्ति करने में तथा रोमांचित कार्य में लगाना चाहते हैं। आप पत्नी के चयन हेतु अपने लिए सुंदर अनुकूल एवं जीवन को आनंदित करने वाली कर्क अथवा कन्या राशि का जातक होगा।

यदि आप वासनात्मक घटनाक्रम को अति उत्कंठित होकर देखेंगे तब आप और भी अच्छा कर सकते हैं। आपके पास अच्छा ज्ञान है, इसलिए आप इसे साहस, सामर्थ्य के अनुसार किसी भी प्रकार की चुनौती को देख कर अपने हस्तगत कार्य को संपन्न करने का निर्णय कर सकते हैं।

आपकी अतिरिक्त आय भी आपके कार्यकलाप के अनुरूप होगी। आप हर दशा में भविष्य में परंपरा के अनुरूप पैतृक संपत्ति भी प्राप्त कर सकते हैं। इसलिए आप हर दृष्टिकोण से पारिवारिक व्यवसाय की तरह व्यवसाय से लाभ प्राप्त करेंगे। आपका इस व्यवसाय के साथ संबंध रहना अच्छा है। अन्यथा आप व्यवसायों में यथा सामुद्रिक व्यवसाय, आयात-निर्यात कार्य, छाता अथवा बरसाती कोर्ट अथवा अभियांत्रिकी कार्य में सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

सामाजिक जीवन के प्रति आपका अनुराग रहेगा। आप अधिक से अधिक एक क्लब के सदस्य होंगे एवं अनेक मित्रों को आकर्षित करेंगे। परंतु आपको अपने मित्रों का चयन करने (बनाने) के प्रति सतर्क रहना चाहिए क्योंकि इन मित्रों में से कुछ मित्र आपके उत्तम प्रबंध का दुरुपयोग करेंगे तथा ऐसी संभावना है कि वे आपके साथ कोई धोखा धड़ी का प्रयास करेंगे।

इसके अतिरिक्त आपके मित्रगण आपमें अनुरागी एवं प्रशंसक होकर आपके उदार प्रवृति से आवश्यकता के अनुरूप सहायक होंगे। मुख्यतः आपके अधीनस्थ रहने वाले लोग भी सहायक होंगे।

बल्कि आप मीन राशि के द्विस्वभात्मक प्राणी हैं। इसलिए आपके (स्वाभावादि) का अध्ययन करना लोगों के लिए दुष्कर है। सामान्यतः आप शांति एवं प्रसन्नचित्त प्राणी हैं तथा अकस्मात् आप सुरक्षित हो जाते हैं। ऐसा बदलाव क्यों ? यह प्रवृति अन्यों को आश्चर्य में डाल देते हैं। आप एक चिंतनशील भावना के प्राणी हो सकते हैं। आप अन्यों की समस्या के संबंध में

सोचते रहते है जो कि विषय विचार-विमर्श के अंतर्गत होता है। परंतु यह प्रवृति अन्यों के ऊपर गलत प्रभाव डालता है। वे ऐसा अनुभव करते है कि आप उन लोगों की अनदेखी करते हैं। अच्छा तो यह है कि आप नीची दृष्टि कर के धरती पर आ कर करें तथा आप सतत अपने मित्र एवं विश्वास पात्रों से उत्तम धारणा का आनंद प्राप्त करें।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, परंतु ऐसा संकेत प्राप्त होता है कि आप कतिपय रोगों से आक्रांत हो सकते हैं। यथा कफ, जुकाम, सर्दी, अपाचनिक अथवा हार्नियां रोगादि। अतः आप अपने पारिवारिक चिकित्सक से समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहें।

आपके लिए अंकों में अनुकूल एवं आवश्यक अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक लाभदायक एवं भाग्यशाली है। परंतु मात्र 8 अंक अनुकूल नहीं है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में उत्तम एवं लाभजनक दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम प्राप्ति के दिन हैं। इसके अतिरिक्त अन्य तीन दिन बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सर्वथा प्रतिकूल एवं अव्यवहरणीय है।

आप हर दशा में (ब्लू नीले रंग का परित्याग करें, क्योंकि यह रंग आपके लिए अव्यवहरणीय है। शेष लाल, गुलाबी, नारंगी एवं पीला रंग आपके लिए उत्तम, प्रसन्नतादायक एवं आनंद प्रदान करने वाला है।